a) Program outcomes for entire course:

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा की स्थापना 2012 में हुई। CBCS पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्षो में चार समसत्र की पढ़ाई होती है। विभाग में स्नातकोत्तर के अतिरिक्त Ph.D की पढ़ाई (Course Work) होती है। पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैदिक साहित्य, लौकिक साहित्य, व्याकरण, दर्शन, भाषा आदि विभिन्न विषय समाहित है। इन पाठ्यक्रमों को आत्मसात करके विद्यार्थी UGC NET सहित अन्यान्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गौरवपूर्ण सफलता प्राप्त कर जीवन के प्रगति पथ पर अग्रसर हैं। विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास के लिए विभागीय संगोष्ठी, कार्यशाला, वाद–विवाद, श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएँ होती रहती हैं। विगत् पाँच वर्षो में 58 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। सत्र 2020 – 2022 एवं सत्र 2021–2023 में कुल 34 विद्यार्थी अद्यतन अध्ययन रत है।

b) Program Specific outcome for each Specialization.

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग के तृतीय समसत्र एवं चतुर्थ समसत्र में विशिष्ट वैकल्पिक पत्र के पाठ्यक्रम में काव्यशास्त्र, नाटक, आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन, वैदिक साहित्य, पुराण, व्याकरण, निरुक्त, अर्थशास्त्र आदि विषय सम्मिलित हैं। इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन से विद्यार्थियों में भारत के उच्चकोटि के सांस्कृतिक विचार, सामाजिक चेतना, आध्यात्मिक भाव एवं उच्च नैतिक मूल्यों की स्थापना होती है। वेद, अपने रचनाकाल से ही मानवीय मनीषा और प्रतिभा के सर्वोच्च शिखर पर रहा हैं। इन ग्रन्थों को पढ़ कर विद्यार्थी जीवन के विपरित परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बन सकता है। आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन की विचारधारा विधार्थी की बौद्धिकता को बढ़ाती हैं। व्याकरण एवं निरुक्त के अध्ययन से भाषायी निपुणता एवं शुद्धता आती है। ऐसी आत्मबोधा संस्कृत साहित्य ने सम्पूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास किया है।

संप्रति शोधार्थी संस्कृत साहित्य, दर्शन, वेद, उपनिषद् पुराण, संस्कार आदि विविध विषयों पर शोध कर रहे हैं।

c) Course outcomes: Paper Wise outcomes of each papers

स्नातकोत्तर प्रथम समसत्र (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

Core Course 1 (CC - 101) प्रथम पत्र (सामान्य संस्कृत)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विधार्थी गीतगोविन्द एवं नीतिशतक की अवधारणा, भाषा शैली, श्लोकों की गयेता चतुर्थ पुरुषार्थ का ज्ञान, भक्ति भावना का अवबोधन करेंगे। श्लोकों के माध्यम से भाषा की शास्त्रीय व्याख्या, एवं शास्त्रीय विश्लेषण एवं संश्लेषण करेंगे। दैनिक जीवन में नीतिगत निर्णय लेने में भी सक्षम होंगे।

Core Course 2 (CC - 102) द्वितीय पत्र, वेद

विधार्थी वैदिक मंत्रो का सस्वर पाठ के साथ–साथ पद–पाठ, संहिता पाठ कर सकेंगे। वैदिक मंत्रो के सामाजिक एवं धार्मिक महत्व को समझ सकेंगे। वैदिक मंत्रो के अध्ययन के माध्यम से वैदिक व्याकरण के पदों की संरचना को समझ सकेंगे और साथ ही वैदिक देवताओं के महत्व से अवगत हो सकेंगे।

Core Course 3 (CC - 103) तृतीय पत्र (व्याकरण)

इस पत्र के अध्ययन से कृदन्त प्रकरण संबंधित व्याकरणिक दक्षता को प्राप्त करेंगे। विद्यार्थियों में भाषागत शुद्धता एवं निपुणता आएगी। संस्कृत व्याकरण के प्रति रुचि उत्पन्न होगी एवं इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न पारिभाषिक पदों से अवगत हो सकेंगे।

Core Course 4 (CC - 104) चतुर्थ पत्र (संस्कृत महाकाव्य)

संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से विद्यार्थी अपने जीवन में महाकाव्यगत आदर्श, विशेषताओं को चरित्रार्थ कर सकेंगे। विद्यार्थी में कर्त्तव्य–निर्वहन 'समर्पण– भावना का विकास होगा।

Core Course 5 (CC - 105) पंचम पत्र (गीता एवं उपनिषद्)

इस पत्र अध्ययन से विद्याथियों में व्यक्तित्व एवं चारित्रिक विकास होगा एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, परिवेश, जीवन–दर्शन एवं मूल्य को सम्यकतया अवबोधन करेंगे। साथ–ही–साथ श्लोक पाठ–कौशल का विकास होगा।

स्नातकोत्तर द्वितीय समसत्र (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

Core Course : 06 (CC- 201) षष्ठ पत्र (भाषा विज्ञान)

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भाषा की अवधारणा, परिभाषा उत्पत्ति सिद्धान्तादि को पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए स्मरण कर सकेंगे। भाषा के परिवारिक एवं आकृति मूलक वर्गीकरण, ध्वनि नियम का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करेंगे। संस्कृत भाषा के स्वर व्यंजन आदि के उच्चारण समस्या का समाधान होगा। भाषा विज्ञान के विभिन्न तथ्यों, पदों एवं भाषा तत्वों का विश्लेषण एवं संश्लेषण कर सकेंगे।

Core Course: 07 (CC- 202) सप्तम पत्र, दर्शन

वेदान्तसार, सांख्यकारिका एवं तर्कभाषा ग्रन्थों के विभिन्न अवधारणा को पूर्वज्ञान से जोड़ते हुए विद्यार्थी स्मरण कर सकेंगे । इन ग्रन्थों के विभिन्न कारिका की व्याकरण एवं विभिन्न दर्शन तत्वों का विश्लेषण एवं संश्लेषण कर सकेंगे।

Core Course: 08 (CC- 203) अष्टम पत्र, आचार एवं व्यवहार शास्त्र

मनुस्मृति, कौटिल्य–अर्थशास्त्र एवं पातांजल योगदर्शन में वर्णित आचार–विचार को आत्मसात करने से दैनिक व्यवहार विषयक समस्याओं का समाधान होगा। विद्यार्थी तीनों पुस्तकों में वर्णित तथ्यों, तत्वों एवं आचार – विचार विषयक सामाजिक परंपराओं, व्यवस्थाओं एवं विधाओं का विश्लेषण एवं संश्लेषण कर सकेंगे।

Core Course : 09 (CC- 204) नवम् पत्र, काव्यशास्त्र

काव्यगत ज्ञान को प्राप्त कर विद्यार्थी काव्यशास्त्र के लक्षण–भेद, शब्द–शक्ति, अलंकार आदि के स्वरूप को अच्छे से जान पायेंगे एवं शास्त्र विषयक समस्या का समाधान भी कर सकेंगे।

Core Course: 10 (CC- 205) दशम पत्र नाट्य साहित्य

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी नाट्यगत तत्वों को जानकर नाट्य साहित्य संबंधित ज्ञान में अभिवृद्धि कर सकेंगे । उत्तररामचरिताम् एवं कुमारविजयम् के श्लोकों एवं सूक्तियों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।

स्नातकोत्तर तृतीय समसत्र (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

Core Course: 11 (CC- 301)

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृत प्रत्यय प्रकरण तद्धित प्रकरण, स्त्री–प्रत्यय प्रकरण एवं अपत्याधिकार प्रकरण का सम्यक रूपेण ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। महाभाष्य के सूत्रों की व्याख्या करने में दक्षता आयेगी।

Core Course: 12 (CC- 302) द्वादश पत्र, गद्य साहित्य

विद्यार्थी कादम्बरी एवं दशकुमारचरितम् कथा के माध्यम से चारित्रिक निर्माण, सामाजिक समझ एवं कथा के महत्व को समझ सकेंगे।

Discipline Specific Elective 1 (DSE -301) काव्यशास्त्र

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी ध्वन्यालोक एवं अरस्तू के काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों, काव्य, महाकाव्य आदि की भाषा शैली आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे एवं दोनों काव्यों का तुलनात्मक विश्लेषण एवं संश्लेषण करने में भी समर्थ होंगे।

Discipline Specific Elective 1 (DSE -301) संस्कृत नाटक

वेणीसंहार एवं रत्नावली नाटक के सम्यक अध्ययन से विद्यार्थी में नाट्यगत तत्वों को समझने की योग्यता आएगी, नाट्यकथाओं के प्रभाव से उनका चारित्रिक विकास होगा एवं सामाजिक दृष्टिकोणों में भी परिवर्तन होगा।

Discipline Specific Elective 1 (DSE -301) भारतीय नास्तिक दर्शन

नास्तिक दर्शन के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न समस्याओं को हल करने एवं जीवन दर्शन को उन्नत बनाने में समर्थ होगें।

Discipline Specific Elective 2 (DSE -302) सामान्य संस्कृत

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी दशरूपक एवं निरुक्त के तथ्यों को सम्यकरूपेण समझ सकेंगे। शब्द–व्युत्पति संबंधित ज्ञान की अभिवृद्धि होगी।

Discipline Specific Elective 2 (DSE -302) काव्य

इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी को मेधदूतम् एवं बुद्धचरित के कथावस्तु का सम्यक ज्ञान होगा, दोनों काव्य के पात्रों एवं काव्यगत तत्वों को समझ सकेंगे। मेधदूतम् एवं बुद्धचरित के श्लोकों की व्याख्यात्मक विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

Discipline Specific Elective 2 (DSE -302) काव्यशास्त्र एवं छन्द

इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी को काव्यशास्त्र के अन्तर्गत अर्थ–व्यंजकता, ध्वनि, शब्दार्थ चित्र तथा छन्दोमंजरी के अन्तर्गत विभिन्न 12 छन्दों की अवधारणा स्पष्ट होगी एवं काव्यप्रकाश की कारिकाओं एवं विभिन्न छन्दों का विश्लेषण एवं संश्लेषण करने की योग्यता आएगी।

Discipline Project Report 1 (PRA -301)

इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी में लघुशोध –लेखन की अवधारणा स्पष्ट एवं सुदृढ़ होंगे। शोध प्रविधियों का यथास्थान प्रयोग सकेंगे। लघुशोध परियोजना कार्य की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे।

स्नातकोत्तर चतुर्थ समसत्र (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

Core course: 13 (CC-401) त्रयोदश पत्र, आधुनिक संस्कृत साहित्य

इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी परम्परागत एवं आधुनिक काव्य–प्रयोजनों, काव्य–हेतु, काव्य–लक्षण एवं काव्य–भेदो को तुलनात्मक विश्लेषण तथा संश्लेषण कर सकेंगे। आधुनिक संस्कृत कवियों को सम्यकतया जानकर अपना शोध का विषय चयन कर सकेंगे।

Core course: 14 (CC-402) चतुर्दश पत्र , नाटक एवं संस्कृत निबंध

मृच्छकटिकम् के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी में सामाजिक चेतना की अवधारणा स्पष्ट होगी। इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत लेखनकला एवं कौशल का विकास होगा।

Discipline Specific Elective 3 (DSE -401) संस्कृत काव्य

रघुवंशम् एवं भाति में भारतम् की विषयवस्तु का सम्यक अवबोधन के पश्चात विद्यार्थियों में मानवमूल्य एवं राष्ट्रप्रेम की उदात्त भावना का विकास होगा। इनदोनों काव्यों के श्लोकों की व्याख्या विश्लेषण एवं संश्लेषण की क्षमता में अभिवृद्धि होगी।

Discipline Specific Elective 3 (DSE -401) ज्योतिष

मुहुर्त चिन्तामणि एवं जातक पारिजात के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी में ज्योतिषशास्त्र के प्रति दृढ़ अभिरुचि होगी। यात्राप्रकरण, वास्तुप्रकरण तथा गृहप्रवेशप्रकरण के अध्ययन से सामाजिक एवं पारिवारिक चेतना में अभिवृद्धि होगी।

Discipline Specific Elective 3 (DSE -401) भारतीय दर्शन

न्याय, वैशेषिक एवं सांख्य दर्शन के विभिन्न तत्वों एवं तथ्यों का सम्यक अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में आस्तिक दर्शन की प्रति दृढ़ अभिरुचि होगी।

Discipline Specific Elective 4 (DSE -402) वैदिक साहित्य एवं व्याकरण

भारतीय संस्कृति में वेदों का स्थान गौरवपूर्ण है। वैदिक साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में मानवीय मनीषा एवं प्रतिभा का सर्वोच्च विकास होगा। वैदिकी प्रक्रिया के अध्ययन से व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त होगा जिससे विद्यार्थी सुगमता से वेदों का चिन्तन–मनन कर सकेंगे।

Discipline Specific Elective 4 (DSE -402) अर्थसंग्रह एवं मीमांसा दर्शन

इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अर्थसंग्रह के यज्ञ–विधि, विधि–भेद, षट प्रमाण, वेद की अपौरुषेयता मन्त्र,नामधेय, अर्थवाद की अवधारणा, तत्यों एवं सिद्धांतों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Discipline Specific Elective 4 (DSE -402) धर्मशास्त्र एवं पुराण

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी पुराण एवं धर्मशास्त्र ग्रन्थों की अवधारणा जानने के साथ–साथ तत्कालीन वर्ण–व्यवस्था, आश्रम–व्यवस्था आदि का सम्यकतया ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे जिससे विद्यार्थी के जीवन में आध्यात्मिक, व्यवहारिक, एवं चारित्रिक विकास होगा।

Project Report 2 (PR -401)

इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी में लघुशोध लेखन की अवधारणा स्पष्ट एवं सुदृढ़ होगी। शोध प्रविधियों का यथास्थान प्रयोग कर सकेंगे। लघुशोध परियोजना कार्य की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे।

Dr. Archana Sinha
H.O.D
University, Deptt of Sanskrit
Kolhan University, Chaibasa